

भारत का राजपत्र **The Gazette of India**

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड—(ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 450] नई दिल्ली, बुध्स्पतिवार, दिसम्बर 17, 1970/अग्राहायण 26, 1892
No. 450] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 17, 1970/AGRAHAYANA 26, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सक ।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND INTERNAL TRADE
(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 17th December 1970

S.O. 3998./15/IDRA/70.—Whereas the Central Government is of opinion that there has been, or is likely to be, substantial fall in the volume of production in respect of cotton textiles manufactured in the industrial undertaking known as **M/s. Suraj Textile Mills Limited, Malout Mandi (Punjab)** for which, having regard to the economic conditions prevailing, there is no justification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints, for the purpose of making full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of:—

Chairman

- (1) Shri H. C. Jain, General Manager, Delhi Cloth Mills.

Members

- (2) Shri K. K. Dhar, Managing Director, National Textile Corporation Limited.
- (3) Shri M. G. Mirchandani, Director (Technical), National Textile Corporation Limited.
- (4) Shri A. S. Grover, State Textile Officer, Government of Punjab, Chandigarh.
- (5) Shri T. S. V. Panduranga Sarma, Dy. Director, Inspection, Deptt. of Company Affairs, New Delhi.

Member-Secretary.

- (6) Shri O. S. Krishnamurthy, Deputy Director, Office of the Textile Commissioner, Bombay.

[No. F. 9(31)/Lic.Pol./70.]
K. D. N. SINGH, Jt. Secy.

(1957)

औद्योगिक विकास तथा आन्तरिक व्यापार मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर, 1970

फा० आ० 3998/15/आई०डी०आर०ए०/70:—यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि मैसर्स सूरज टेक्सटाइल मिल्स लि०, मलौट मंडी (पंजाब) नामक औद्योगिक उपक्रम में निर्मित सूती वस्त्रों के सम्बन्ध में उत्पादन के परिमाण में भारी गिरावट हुई है अथवा होने की संभावना है, जिसके लिए, विद्यमान आर्थिक स्थितियों को देखते हुए, कोई औचित्य नहीं है।

अतः अब उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार मामले की परिस्थितियों की समग्र तथा पूर्ण जांच करने के प्रयोजनार्थ निम्नलिखित व्यक्तियों के एक निकाय की एतद्वारा नियुक्ति करती है :—

अध्यक्ष

- (1) श्री एच० सी० जैन, महा प्रबन्धक, दिल्ली कलाथ मिल्स।

सदस्य

- (2) श्री के० के० धर, प्रबन्ध निदेशक राष्ट्रीय वस्त्र निगम लि०।
- (3) श्री एम० जी० मीरचंदानी, निदेशक (तकनीकी), राष्ट्रीय वस्त्र निगम लि०।
- (4) श्री ए० एस० ओवर, राज्य वस्त्र अधिकारी, पंजाब सरकार, चण्डीगढ़।
- (5) श्री टी० एम० बी० पांडुरंग शर्मा, उपनिदेशक, निरीक्षण, समवाय कार्य विभाग, नई दिल्ली।

सदस्य-सचिव

- (6) श्री ओ० एस० कृष्णमूर्ति, उप-निदेशक, वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, अम्बई।

[सं० फा० 9(31)/साइमेंस-पाणिमी/70]

के० डी० एन० सिंह, संयुक्त सचिव।